विषयानुक्रम		पृष्ठाङ्क

क)	समर्पण	xvii
ख)	प्रस्तावना	xix-xxii
ग)	पूज्यपाद श्री शिवलौती महाराज का संक्षिप्त परिचय	xxxiii-xxxvi
1	वैदिक संहिताओं में रुद्र का स्वरूप	1–19
	रुद्र का स्वरूप	2
	(1) रुद्र शब्द का अर्थ	3
	(2) रुद्र का भौतिक आधार	3
	(3) रुद्र की जटायें, उनका विष-पान एवं नीलकण्ठत्व	4
	(4) रुद्र के कुछ विशिष्ट अभिधान	5
	(5) शतरुद्रियम् और रुद्र	9
	(6) रुद्राः या रुद्र के गण	9
	(7) रुद्र की अष्ट मूर्तियाँ	12
	(8) दक्ष-यज्ञविध्वंस	13
	(9) रुद्र द्वारा त्रिपुरासुर-विनाश	13
	(10) शिव का त्रिशूल	14
	(11) शिवसंबंधी अन्य कथाएँ	14
	(12) रुद्रदेव परमतत्त्व के रूप में	15
	उपसंहार	17
2	उपनिषदों में शिवतत्त्व–स्वरूप एवं महत्त्व	20–57
	भगवान् शिव ब्रह्म के रूप में	24
	शिव एक, नाम–रूप अनेक	31
	भुक्ति–मुक्तिदाता शिव	35
	शिवोपासना	39
	उपसंहार	55
3	रामायण ग्रन्थों में भगवान् शिव	58–95
	बाल्मीकीय रामायण	58

विषयानुक्रम		पृष्ठाङ्क

	रामचरितमानस	63
	(1) भगवान् शिव का स्वरूप	66
	(2) भगवान् शिव एवं भगवान् राम	70
	(3) सगुणोपासना	76
	वसिष्ठ रामायण	84
	(1) सदाशिव परमदेव के रूप में	85
	(2) मानस-शिवपूजा	90
	अन्य रामायण	92
	उपसंहार	94
4	**महाभारत में शिवतत्त्व**	**96–121**
	भगवान् शिव का स्वरूप	96
	शिवोपासना	106
	(1) शिवभक्ति की महिमा	109
	(2) लिंगार्चन-माहात्म्य	111
	(3) पाशुपतयोग एवं शिवभक्त की महिमा	112
	(4) शैवतीर्थ	113
	भगवान् शिव एवं विष्णु	115
	उपसंहार	119
5	**पौराणिक साहित्य में भगवान् शिव**	**122–126**
6	**ब्रह्मपुराण में शिवतत्त्व**	**127–145**
	भगवान् शिव का स्वरूप	127
	भगवान् शिव की उपासना	133
	त्रिदेवों की एकता तथा भगवान् शिव का माहात्म्य	140
	उपसंहार	144
7	**पद्ममहापुराण में शिवतत्त्व**	**146–173**
	भगवान् शिव का स्वरूप	146

भगव

विषयानुक्रम		पृष्ठाङ्क

शिवोपासना 152

(1) रुद्राक्ष की महिमा 154
(2) शिवभक्ति तथा नाम-महिमा 155
(3) लिंगार्चन तथा भस्म माहात्म्य 158
(4) तीर्थ प्रकरण 162

भगवान शिव एवं विष्णु 165

उपसंहार 171

8 शिवमहापुराण में शिवतत्त्व एवं उसकी उपासना 174 – 240

भगवान् शिव का स्वरूप 174

(1) भगवान् शिव ब्रह्म के रूप में 174
(2) भगवान् शिव के निष्कल एवं सकलरूप 179
(3) निष्कल शिव से सृष्टि-विकास की प्रक्रिया 180
(4) शिव त्रिदेवान्तर्गत रुद्र से पृथक हैं 182
(5) श्रीहरि के कर्त्तव्य का निर्धारण 183
(6) रुद्र के ब्रह्माजी के मुख से प्रकट होने का रहस्य 184
(7) शिवतत्त्व एवं जगत्प्रपंच 184
(8) भगवान् शिव की विभूतियाँ 187
(9) शिव, विष्णु, रुद्र और ब्रह्मा 188
(10) भगवान् शिव की प्रणव-रूपता 190

शिवोपासना 192

(1) पशु, पाश और पशुपति 194
(2) बन्धन एवं मोक्ष 196
(3) शिवधर्म के प्रकार एवं उनके पाद तथा अधिकारी 196
(4) योग और ध्यान का महत्त्व 198
(5) शिवलिंग पूजा 200
(6) शिवलिंग की स्थापना और पूजनविधि 201
(7) पार्थिवलिंगनिर्माण एवं उसकी पूजाविधि 203
(8) भगवान् शिव की भक्ति 205

विषयानुक्रम		पृष्ठाङ्क
	(9) शिव-नामजप	209
	(10) प्रणवोपासना	212
	(11) सूक्ष्म प्रणव का जप	214
	(12) पंचाक्षरमंत्र की साधना	216
	(13) पंचाक्षर मन्त्र का जप	216
	(14) जप संबंधी अवश्यक निर्देश	219
	(15) पंचाक्षर मन्त्र की विशेषता	220
	(16) भस्म एवं त्रिपुण्ड्र का महत्त्व	222
	(17) रुद्राक्ष महिमा	224
	(18) शिवरात्रि-व्रत के उद्यापन की विधि	230
	(19) बिल्व का माहात्म्य	231
	(20) शिवनैवेद्य का माहात्म्य	232
	(21) मोक्ष-दायक पुण्यक्षेत्र	232
	(22) शिवपूजा के विविध प्रकार	234
	(23) कुछ महत्त्वपूर्ण स्तोत्र तथा मंत्र	234
	त्रिदेवों की एकता तथा शिवनिन्दा का फल	235
	उपसंहार	238
9	**वायुमहापुराण में शिवतत्त्व**	**241–263**
	भगवान् शिव का स्वरूप	242
	शिवोपासना	250
	लिंगपूजा	253
	पाशुपत योग	253
	शिवोपासना संबंधी अन्य बातें	255
	त्रिदेवों की एकता एवं उनके संबंध	256
	उपसंहार	262
10	**श्रीमद्भागवत में शिवतत्त्व**	**264–276**
	भगवान् शिव परब्रह्म के रूप में	264

विषयानुक्रम		पृष्ठाङ्क

	त्रिदेवों की तात्त्विक एकता	268
	भुक्ति–मुक्ति–दाता भगवान् शिव	269
	शिवोपासना	273
	उपसंहार	276
11	**नारदमहापुराण में शिवतत्त्व–विवेचन**	**277–298**
	भगवान् शिव परब्रह्म के रूप में	277
	पशुपति, पशु एवं पाश	281
	शिवोपासना एवं शिवनाम–महिमा	283
	भगवान् शिव एवं विष्णु	291
	उपसंहार	297
12	**अग्नि, मार्कण्डेय एवं भविष्यपुराण में भगवान् शिव**	**299–309**
	भगवान् शिव का स्वरूप	299
	शिवोपासना	302
	त्रिदेवों की एकता	306
	उपसंहार	308
13	**ब्रह्मवैवर्तपुराण एवं भगवान् शिव**	**310–331**
	भगवान् शिव का स्वरूप	310
	(1) भगवान् शिव ब्रह्मरूप में	311
	(2) तत्त्वज्ञान, मोक्षादि एवं हरिभक्तिदाता शिव	314
	(3) योगियों एवं ज्ञानियों के गुरु–भगवान् शिव	316
	(4) भगवान् शिव के विलक्षणस्वरूप का रहस्य	317
	शिवोपासना तथा शिवनाम की महिमा	319
	भगवान् शिव एवं कृष्ण	323
	काशीमाहात्म्य	328
	शिवनिन्दा का फल	328

विषयानुक्रम		पृष्ठाङ्क

	उपसंहार	330
14	**लिंगपुराण में शिवतत्त्व तथा उसकी उपासना**	**332–381**
	भगवान् शिव का स्वरूप	332
	शिवोपासना	343
	(1) शिवभक्ति का महात्म्य	344
	(2) लिंगार्चन का महत्त्व	348
	(3) लिंगार्चन विधि	351
	(4) शिवप्रतिमास्थापन एवं मन्दिरनिर्माण	354
	(5) शिवसंबंधी पंचाक्षर मन्त्र	357
	(6) पशु, पाश एवं पशुपति	360
	(7) पाशमुक्ति के उपाय	362
	(8) पाशुपतव्रत	363
	(9) पाशुपत योग	366
	(10) शिवसंबंधी स्तोत्र	367
	(11) प्रमुख शैवतीर्थ	369
	(12) शिवोपासना संबंधी कुछ अन्य बातें	370
	त्रिदेवों का आपसी संबंध	375
	उपसंहार	379
15	**वराह, गरुड़ एवं विष्णु पुराणों में शिवतत्त्व**	**382–390**
	भगवान् शिव ब्रह्म के रूप में	382
	शिवोपासना	385
	त्रिदेवों की एकता	387
	उपसंहार	390
16	**स्कन्दपुराण में भगवान् शिव**	**391–446**
	भगवान् शिव का स्वरूप	392
	भगवान् शिव की उपासना	405
	(1) भगवान् शिव की भक्ति एवं लिंगोपासना	412

विषयानुक्रम		पृष्ठाङ्क

(2) शिवनाममहिमा एवं पञ्चाक्षर मन्त्र 418
(3) भगवान् शिव के स्तोत्र एवं कवच 422
(4) कुछ प्रसिद्ध शैव-व्रत 424
(5) तीर्थ-प्रकरण 428
(6) भगवान् शिव के विभिन्न तीर्थ 432

त्रिदेवों की एकता 438

उपसंहार 444

17 वामनमहापुराण में शिवतत्त्व 447–461

भगवान् शिव का स्वरूप 447

शिवोपासना 451

(1) लिंगपूजा का महत्त्व 452
(2) शैवतीर्थ 453
(3) शतरुद्रिय तथा शिवनाममहिमा 453
(4) वेनकृत शिवसहस्रनाम 454

भगवान् शिव एवं विष्णु 454

वामन पुराण में शिवसंबंधी प्रचलित कथाओं का रूप 456

(1) दक्षयज्ञ और सती की कथा 456
(2) काम-दहन की कथा 457
(3) शिवलिंगपूजा 458
(4) श्रीहरि को सुदर्शन चक्र की प्राप्ति 459

उपसंहार 460

18 कूर्म-पुराण में शिवतत्त्व 462–485

भगवान् शिव का स्वरूप 462

शिवोपासना 470

(1) शिवभक्ति की श्रेष्ठता 471
(2) मोक्षसाधन 473
(3) लिंगार्चन का महत्त्व 474

विषयानुक्रम		पृष्ठाङ्क
	(4) भगवद्प्राप्ति के अन्य साधन	476
	(5) शैवतीर्थों के माहात्म्य	478
	त्रिदेवों की एकता एवं शिवनिन्दा का फल	481
	उपसंहार	483
19	**मत्स्यपुराण में शिवतत्त्व**	**486 – 499**
	भगवान् शिव का स्वरूप	486
	शिवोपासना	491
	(1) शिवलिंग की उपासना	492
	(2) भगवान् शिव की मूर्तिपूजा	493
	(3) शैवतीर्थ	494
	(4) शैवव्रत	497
	त्रिदेवों की एकता	497
	उपसंहार	498
20	**ब्रह्माण्डमहापुराण में शिवतत्त्व**	**500 – 514**
	भगवान् शिव का स्वरूप	500
	शिवोपासना	507
	(1) लिंगार्चन	508
	(2) भस्ममाहात्म्य एवं पाशुपत अथवा कापालिकव्रत	509
	(3) शिवोपासना संबंधी कुछ अन्य बातें	. . .
	भगवान् शिव एवं विष्णु	512
	उपसंहार	513
21	**हरिवंशपुराण में शिवतत्त्व**	**515 – 528**
	भगवान् शिव का स्वरूप	515
	शिवोपासना	521
	भगवान् शिव एवं श्रीकृष्ण	525
	उपसंहार	527
22	**विष्णुधर्मोत्तर पुराण में शिवतत्त्व**	**529 – 534**
	भगवान् शिव का स्वरूप	529

विषयानुक्रम		पृष्ठाङ्क
	शिवोपासना	532
	त्रिदेवों की एकता	533
	उपसंहार	534
23	**बृहद्धर्मपुराण में शिवतत्त्व**	**535 – 550**
	भगवान् शिव का स्वरूप	535
	शिवोपासना	537
	भगवान् शिव एवं विष्णु	544
	उपसंहार	549
24	**एकाम्रपुराण में शिवतत्त्व**	**551 – 570**
	भगवान् शिव का स्वरूप	551
	शिवोपासना	556
	(1) शिवनाममहिमा	559
	(2) एकाम्रकक्षेत्रस्थ शैवतीर्थ	560
	(3) भगवान् शिवसंबंधी स्तोत्र	565
	(4) शिवोपासना संबंधी कुछ अन्य बातें	566
	भगवान् शिव एवं विष्णु	567
	उपसंहार	569
25	**श्रीमद्देवीभागवत में शिवतत्त्व**	**571 – 577**
	भगवान् शिव का स्वरूप	571
	त्रिदेवों की एकता	573
	अन्य शैवतत्त्व	575
	उपसंहार	577
26	**महाभागवतपुराण में शिवतत्त्व**	**578 – 595**
	भगवान् शिव का स्वरूप	578

विषयानुक्रम		पृष्ठाङ्क
	शिवोपासना	582
	(1) लिंगपूजा तथा शिवनाममहिमा	584
	(2) रुद्राक्ष का महत्त्व	587
	(3) शैव-स्तोत्र एवं तीर्थ	588
	(4) शिवपूजा संबंधी कुछ अन्य बातें	590
	भगवान् शिव एवं विष्णु	590
	भगवान् शिव का राधा के रूप में अवतार	592
	उपसंहार	593
27	**देवीपुराण में शिवतत्त्व**	**596 – 604**
	भगवान् शिव का स्वरूप	596
	शिवोपासना	598
	उपसंहार	603
28	**कालिकापुराण में शिवतत्त्व**	**605 – 612**
	भगवान् शिव का स्वरूप	605
	शिवोपासना	609
	त्रिदेवों की एकता	611
	उपसंहार	612
29	**मुद्गलपुराण में शिवतत्त्व**	**613 – 617**
	भगवान् शिव का स्वरूप	613
	शिवोपासना	615
	उपसंहार	616
30	**कल्कि, वासुकि एवं नरसिंह पुराणों में शिवतत्त्व**	**618 – 626**
	भगवान् शिव का स्वरूप	618
	शिवोपासना	620
	त्रिदेवों की एकता	624

विषयानुक्रम		पृष्ठाङ्क

	उपसंहार	625
31	**सौरपुराण में शिवतत्त्व**	**627 – 638**
	भगवान् शिव का स्वरूप	627
	शिवोपासना	628
	(1) भक्ति का महत्त्व	631
	(2) शिवनाम एवं पंचाक्षर मन्त्र की महिमा	632
	(3) लिंगार्चन का महत्त्व	633
	(4) शिवपूजन संबंधी अन्य बातें	633
	भगवान् शिव एवं विष्णु	635
	उपसंहार	637
32	**बृहन्नारदीयपुराण में शिवतत्त्व**	**639 – 648**
	भगवान् शिव का स्वरूप	639
	शिवोपासना	640
	(1) शिवनाममहिमा	642
	(2) लिंगार्चन	643
	(3) शिवोपासना संबंधी अन्य बातें	644
	त्रिदेवों की एकता	646
	उपसंहार	648
33	**शिवप्रोक्त गीताओं में शिवतत्त्व**	**649 – 675**
	शिवगीता में शिवतत्त्व	649
	भगवान् शिव का स्वरूप	650
	शिवभक्ति की महिमा	654
	शिवोपासना	656
	ईश्वरगीता में शिवतत्त्व	663
	भगवान् शिव का स्वरूप	664

विषयानुक्रम		पृष्ठाङ्क

	शिवोपासना	667
	महेश्वरगीता में शिवतत्त्व	671
	उपसंहार	674
34	**भगवान् शिव के माहात्म्यसंबंधी प्रकीर्ण सन्दर्भ**	**676 – 684**
35	**शिव – नामकी महिमा**	**685 – 704**
36	**श्रीकृष्ण द्वारा युधिष्ठिर के प्रति महादेवजी के माहात्म्य का कथन**	**705 – 738**
	(1) उपमन्यु द्वारा शिव की आराधना तथा वरप्राप्ति	709
	(2) भगवान् कृष्ण की तपस्या	721
	(3) श्रीकृष्ण को शिव - पार्वती से वर की प्राप्ति	725
	(4) ब्रह्मपुत्र तण्डि की शिवभक्ति	726
	(5) शिवसहस्त्रनामस्तोत्र और उसके पाठ का फल	730
	(6) शिवभक्ति एवं शिवसहस्त्रनाम की महिमा संबंधी ऋषियों का अनुभव	733
37	**शिव – विष्णु का अलौकिक प्रेम**	**739 – 742**
38	**ईशानः सर्वदेवानाम्**	**743 – 762**
	त्रिदेवों की एकता	743
	ब्रह्म के शिवस्वरूप की विशेषता	755
	उपसंहार	761